इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2135

29 अगस्त, 2013 को उत्तर के लिए

इस्पात का देशज उत्पादन

2135. श्री एन. के. सिंह:
श्री ईश्वर सिंह:
श्री अवतार सिंह करीमपुरी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने आगामी वर्षों के दौरान इस्पात के देशज उत्पादन में वृद्धि के लिए नई राष्ट्रीय इस्पात नीति में कोई लक्ष्य निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की कुछ इकाइयां सरकार से निरंतर सहायता प्राप्त करने के बावजूद भारी घाटा उठा रही हैं और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इन इकाइयों का पुनरुद्धार करने के लिए और आगामी वर्षों के दौरान अन्य मौजूदा इकाइयों के विस्तार कार्यक्रम हेतु कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जाने प्रस्तावित हैं ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क): प्रस्तावित राष्ट्रीय इस्पात नीति में इस्पात के स्वदेशी उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि करने की बात कही गई है। राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 में इस्पात उद्योग की अभिवृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए निम्नलिखित सहित विभिन्न उपायों का प्रावधान किया गया है:-

(i) चपटे और लंबे उत्पादों की वृद्धि के लिए अलग योजनाओं सहित वर्ष 2019-20 तक 110 एमटी इस्पात उत्पादन के नीतिगत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्ययोजना तैयार करके उसका कार्यान्वयन करना।

(ii) अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रौद्योगिकीय तथा उत्पादकता सुधारों के लिए योजनाएं तैयार करके उनका कार्यान्वयन करना।

(iii) राष्ट्रीय इस्पात नीति के कार्यान्वयन की मॉनीटरिंग करना।

(iv) अवसंरचनात्मक, प्रक्रियागत तथा संस्थागत बाधाओं को दूर करने और केंद्रीय मंत्रालयों तथा राज्य सरकारों के बीच नीतिगत तालमेल बैठाने के लिए समीक्षाएं करना।

जारी/-

(ख) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) लाभ अर्जन करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है और वित्त वर्ष 2011-12 तथा 2012-13 के दौरान, कर के बाद लाभ क्रमश: 3543 करोड़ रूपए एवं 2170 करोड़ रूपए था। वर्ष 2011-12 तथा 2012-13 की अवधि के लिए सेल के संयंत्र-वार लाभ/हानि का ब्यौरा इस प्रकार है:-

(करोड़ रूपए में)

संयंत्र/इकाई	2011-12	2012-13
भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी)	2715	2048
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी)	503	553
राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी)	646	363
बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल)	703	308
इस्को इस्पात संयंत्र (आईएसपी)	-411	-159
अलॉय इस्पात संयंत्र (एएसपी)	-53	-120
सेलम इस्पात संयंत्र (एसएसपी)	-155	-420
विश्वेस्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट (वीआईएसएल)	-131	-117
सेल रिफ्रैक्ट्री यूनिट (एसआरयू)	11	10
चंद्रपुर फैरो अलॉय संयंत्र (सीफपी)	10	-39
रॉव मटेरियल डिवीजन (आरएमडी)/कैंद्रीय यूनिट	1313	813
सेल (कर-पूर्व लाभ)	5151	3241
कर	1608	1070
सेल (कर-पश्चात लाभ)	3543	2170

सरकार द्वारा सेल को कोई बजट सहायता नहीं दी जा रही है। कम लाभ अथवा हानि के मुख्य कारण इस प्रकार हैं:-

1) इस्पात उत्पादों के मूल्यों में भारी गिरावट।
2) आईएसपी, एएसपी तथा वीआईएसएल में पुरानी तथा अप्रचलित प्रौद्योगिकी और उपस्कर।
3) विशेष रूप से अलॉय और स्टेनलेस स्टील के संबंध में अत्यधिक क्षमता और प्रतिकूल बाजार स्थिति में।
4) कोयले, रेल भाड़े, विद्युत और ईंधन, मैंगनीज ओर जैसी प्रमुख आदान सामग्री के मूल्यों में वृद्धि एवं खनिजों पर रॉयल्टी में वृद्धि आदि।
5) आईएसपी, एएसपी, एसएसपी, वीआईएसएल और सीएफपी जैसे घाटे में चल रहे संयंत्रों के प्रचालन की उच्च नियत लागत।
6) रूपए के मूल्य में भारी ह्रास।
7) एसएसपी में आधुनिकीकृत सुविधाओं के कैपिटेलाइजेशन का प्रभाव।

(ग) वर्तमान दौर में अपनी क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता को 12.8 एमटीपीए से बढ़ाकर 21.4 एमटीपीए करने के लिए सेल ने भिलाई, बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर और बर्नपुर में अपने 5 एकीकृत इस्पात संयंत्रों एवं सेलम स्थित अपने विशेष संयंत्र में आधुनिकीकरण और विस्तार योजनाएं पहले से ही शुरू कर दी हैं। आधुनिकीकरण एवं विस्तार के वर्तमान दौर के लिए संकेतात्मक निवेश 61,870 करोड़ रूपए है। इसके अतिरिक्त कच्ची सामग्री प्रभाग (आरएमडी) के अंतर्गत मौजूदा खानों में निवेश और रावघाट खान के विकास के लिए 10,264 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

****